आज की अव्यक्त मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---- Date:07-12-14

बापदादा द्वारा मिली वर्तमान संगमयुग की दिव्यबुद्धि रुपी लिफ्ट की गिफ्ट को कार्य में लगाकर और भविष्य स्वर्ग के राज्य की गिफ्ट स्मृति में रखकर, बाप समान बनने का पुरुषार्थ करने वाले बच्चों को बापदादा ने कहा यहॉ जितना पुरुषार्थ में ब्रह्मा-बाप के समानता में समीप होंगे उतने ही वहॉ (सतयुग में) सम्बन्ध में समीप होंगे.

बाबादादा ने शुरु में निश्चय बुद्धि होकर निर्विघ्न चलने वाले चारों और के विदेशी और देशवासी बच्चों को शाबाशी देते हुए कहा, कोने-कोने में बाप के छिपे हुए बच्चों ने बाप को पहचान निश्चय से बहुत अच्छा जम्प लगाया है. भिन्न धर्म के पर्दे के अन्दर होते हुए भी सेकेण्ड में पर्दे को हटाए बेहद के बाप को पहचान, बाप के साथ सहयोगी आत्माएं बन गए, लगन में आए हुए विघ्नों को भी सहज पार कर लिया इसलिए बापदादा विशेष शाबाश देते है. ऐसे हिम्मत रखने वाले बच्चों को बापदादा ने वरदान देते हुए कहा, ऐसे बच्चों के साथ बाप-दादा का सदा सहयोग है - हर बच्चे साथ हर कर्म में बाप का साथ है.

दिव्यबुद्धि रुपी लिफ्ट की गिफ्ट को कार्य में लगाने के लिए कहे गये महा-वाक्यों -

- सभी बच्चों को वर्तमान संगमयुग पर बाप-दादा द्वारा दिव्यबुद्धि रुपी लिफ्ट की गिफ्ट मिली हुई है. गिफ्ट तो सबको मिली हुई है लेकिन उसको कार्य में लगाना हरेक के ऊपर है.

- बहुत पावरफुल और बहुत सहज लिफ्ट की गिफ्ट है. सेकेण्ड में जहॉ चाहो वहॉ पहुँच सकते हो. यह वन्डरफुल लिफ्ट तीनों लोकों तक जाने वाली है. जैसे ही स्मृति का स्वीच आन किया तो एक सेकेण्ड में वहॉ पहुँच जायेंगे.

- लिफ्ट द्वारा जितना समय जिस लोक का अनुभव करना चाहो उतना समय वहॉ स्थित रह सकते हो.

- इस लिफ्ट को विशेष यूज करने की विधि है अमृतबेले केयरफुल बन स्मृति के स्वीच को यथार्थ रीति से सेट करो तो सारा दिन आटोमेटिकली चलती रहेगी.

- अथॉरिटी होकर इस लिफ्ट को कार्य में लगाने से कभी भी यह लिफ्ट धोखा नहीं देगी.

भविष्य स्वर्ग के राज्य की गिफ्ट पर कहे गये महा-वाक्यों -

- इस संगमयुग पर ही भविष्य स्वर्ग के राज्य की गिफ्ट भी बाप-दादा अभी देते है - स्वर्ग के गेट की चाबी बाप-दादा बच्चों को ही देते है.

- चाबी है अधिकारपन अर्थात अधिकारी बनना. अधिकार की चाबी से गेट खुला हुआ है. नम्बरवन अधिकारी तो यह ब्रह्मा-बाबा है लेकिन वह अकेले नहीं खोलते. उदगाटन के समय आप सभी भी साथ होंगे. कम से कम ताली बजाने के साथी तो होंगे ना. खुशियों की पुष्प वर्षा करेंगे ना.

संगमयुग में समानता में समीप भविष्य सम्बन्ध में समीप आत्मायें -

- बाप-दादा समय की समीपता को देख हर बच्चे का बाप-दादा के साथ क्या समीप सम्बन्ध है वह देख रहे है. बच्चों का डबल भविष्य बापदादा के सामने है. एक संगमयुग का भविष्य अर्थात बाप समान बनने का भविष्य और दूसरा फस्ट जन्म का भविष्य अर्थात स्वर्ग का भविष्य.

- यहॉ अपने पुरुषार्थ के आधार से जितना समानता में समीप होंगे उतना भविष्य में सम्बन्ध में समीप होंगे.

- जितना यहॉ समीपता द्वारा सदा साथ है उतना ही मूलवतन में भी ऐसी आत्माएं साथ-साथ हैं. और स्वर्ग में भी हर दिनचर्या में सम्बन्ध का साथ है - जैसे यहॉ तुम्ही से बोलूँ, तुम्ही से खेलूँ, तुम्ही से साथ निभाऊंगा वैसे भविष्य में भी सवेरे खेलेंगे, रास करेंगे, पाठशाला में पढ़ेंगे, सदा मिलते रहेंगे और फिर साथ-साथ राज्य करेंगे.

- जैसे ब्रह्मा बाप सदा स्वराज्य करने वाले अर्थात स्व अधीन नहीं लेकिन स्व अधिकारी थे. ऐसे स्वराज्य करने वाले वहॉ भी साथ में राज्य करेंगे.

- यहॉ के नम्बरवन रेगुलर और पंचुअल गॉडली स्टूडेन्ट वहॉ भी साथ-साथ पढ़ेंगे क्योंकि ब्रह्मा बाप नम्बरवन गॉडली स्टूडेन्ट है.

- जो यहॉ अतीन्द्रिय सुख के झूले में बाप के साथ-साथ सदा झूलते हैं वह वहॉ भी झूले में साथ झूलेंगे.

- जो यहॉ अनेक प्राप्तियों की खुशी में नाचते हैं वह वहॉ भी साथ-साथ रास करेंगे.

- जो यहॉ बाप के गुण और संस्कार के समीप सर्व सम्बन्धों से बाप का साथ अनुभव करते हैं वही वहॉ रोयल कुल के समीप सम्बन्ध में आयेंगे.

फस्टॅ में आने वाले बच्चों की पहचान --

- आदि से अब तक अव्यभिचारी और निर्विघ्न होंगे. विघ्न आये भी हो तो विघ्नों को जम्प दे पार किया है. विघ्न-विनाशक बन सदा विघ्नों के ऊपर विजयी रहें. ॐ शांति.